

ग्लोबल वैक्सीन मार्केट रपॉर्ट 2022

प्रलिस के लयः

वैक्सीन असमानता, वशिव स्वास्थय संगठन, कोवडि-19, ग्लोबल वैक्सीन मार्केट रपॉर्ट 2022, टीकाकरण एजेंडा 2030 (IA2030)

मेन्स के लयः

वैक्सीन असमानता का मुद्दा, चुनौतयिँ और समाधान

चर्चा में क्योँ?

हाल ही में [वशिव स्वास्थय संगठन \(WHO\)](#) ने 'ग्लोबल वैक्सीन मार्केट रपॉर्ट 2022' जारी की।

- वैक्सीन बाज़ार पर [कोवडि-19](#) के प्रभावों को शामिल करते हुए वैक्सीन के असमान वतऱरण की समस्या को उज़ागर करने वाली यह पहली रपॉर्ट है।

प्रमुख बडु

- वैक्सीन का असमान वतऱरण, कोई असमान्य घटना नहीं:**
 - यह दर्शाता है कऱ असमान वतऱरण कोवडि-19 वैक्सीन के लयऱ अद्वतऱय नहीं है, कम आय वाले देश लगातार उन वैक्सीनों तक पहुँचने हेतु संघर्ष कर रहे हैं जनऱकी उच्च आय वाले देशों द्वारा मांग की जा रही है। सीमऱतऱ वैक्सीन आपूरतऱ और असमान वतऱरण वैश्वऱके असमानताओं को बढाता है।
 - गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के खलऱफ मानव पेपलऱमावायरस (HPV) वैक्सीन केवल 41% कम आय वाले देशों को प्रदान की गई है, जबकऱ वे उच्च आय वाले देशों की तुलना में 83% अधऱके बीमारी के बोझ का वहन करते हैं।
- मूल्य असमानताएँ:**
 - वैक्सीन की पहुँच में वहनीयता एक बडी बाधा है, जबकऱ कीमतें आय के आधार पर नरऱधारऱतऱ होती हैं, मूल्य असमानता के कारण मध्यम-आय वाले देशों को कई वैक्सीन उत्पादों के लयऱ धनी देशों की तुलना में अधऱके या उससे भी अधऱके भुगतान करना पडता है।
- मुक्त बाज़ार गतशीलता:**
 - मुक्त बाज़ार की गतशीलता दुनऱया के कुछ सबसे गरीब और सबसे कमज़ोर लोगों को उनके स्वास्थय के अधऱकार से वंचऱतऱ कर रही है। इसलऱयऱ जीवन बचाने, बीमारी को रोकने और भवऱषऱय के संकटों के लयऱ तैयार रहने हेतु वैश्वऱके वैक्सीन बाज़ार में बदलाव की आवशऱयकता है।
- स्वास्थय आपात सथऱतऱयऱों के दौरान स्केल-अप:**
 - वर्ष 2021 में 141 बलऱयऱन अमेरऱकी डॉलर मूल्य की लगभग 16 बलऱयऱन वैक्सीन की आपूरतऱ की गई, जो वर्ष 2019 के बाज़ार की मात्रा (5.8 बलऱयऱन) से लगभग तीन गुना और वर्ष 2019 के बाज़ार मूल्य (38 बलऱयऱन अमेरऱकी डॉलर) से लगभग साढे तीन गुना अधऱके है।
 - यह वृद्धऱ मुखऱय रूप से कोवडि -19 वैक्सीन के कारण देखी गई, जो इस बात की पुष्टऱ करऱती है कऱ स्वास्थय आवशऱयकताओं के लयऱ वैक्सीन नरऱमाण को कैसे बढाया जा सकता है।
- वनऱरऱमाण केंद्रऱतऱ आधार:**
 - हालाँकऱ दुनऱया भर में वनऱरऱमाण कषमता में वृद्धऱ हुई है लेकनऱ यह अत्यधऱके केंद्रऱतऱ है।
 - अकेले दस नरऱमाता वैक्सीन की 70% खुराक प्रदान करते हैं (कोवडि-19 को छोडकर)।
 - व्यापक रूप से उपयऱग कयऱ जाने वाले शीर्ष 20 वैक्सीन (जैसे PCV, HPV, खसरा और रूबेला की वैक्सीन) में से प्रतऱयेक वर्तमान में मुखऱय रूप से दो आपूरतऱकरऱताओं पर नरऱभरे हैं।
 - वर्ष 2021 में अफरऱकी और पूरवी भूमध्यसागरीय कषेत्र वैक्सीन खरीद के मामले में अपनी 90% आपूरतऱके लयऱ उन नरऱमाताओं पर नरऱभर थे जनऱका मुखऱयालय कहीं और था।
 - इन केंद्रऱकृत वनऱरऱमाण इकाइयों के कारण वैक्सीन की कमी संबंधी ज़ऱखमऱ के साथ-साथ कषेत्रीय आपूरतऱ असुरकषा का भी भय बना रहता है।

- मज़बूत बौद्धिक संपदा एकाधिकार तथा सीमिति प्रौद्योगिकी हस्तांतरण स्थानीय वनिर्माण क्षमता निर्माण एवं उपयोग की क्षमता को और भी सीमिति करता है।
- कोवडि-19 के अलावा अन्य वैक्सीन में सीमिति नविश:
 - आमतौर पर आपात जैसी स्थितियों के लिये आवश्यक कई वैक्सीनों के लिये बाज़ारों की स्थिति भी चिंता का विषय है, जैसे कौहैजा, टाइफाइड, चेचक/मंकीपॉक्स, इबोला, मेनगिगोकल रोग के प्रकोप के साथ-साथ वैक्सीन की मांग भी बढ़ती है, इसलिये इस संबंध में कम अनुमान लगाया जा सकता है।
 - नरितर ही इन वैक्सीन के वनिर्माण में सीमिति नविश के कारण आम जन-जीवन के स्वास्थ्य के लिये यह वनिशकारी हो सकता है।
- प्रतरिक्षण रणनीति- 2030 (IA 2030):
 - यह रपिरट प्रतरिक्षण रणनीति- 2030 (IA 2030) लक्ष्यों को प्राप्त करने और महामारी की रोकथाम, तैयारी और प्रतरिक्रिया प्रयासों को सूचित करने की दशा में सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंडा के साथ वैक्सीनों के विकास, उत्पादन एवं वतिरण के अधिक संरेखण के अवसरों पर प्रकाश डालती है।

रपिरट की सफिरारशैं:

- सरकारों के लिये:
 - प्रतरिक्षण हेतु एक स्पष्ट टीकाकरण योजना तैयार करने के साथ व्यापक नविश की व्यवस्था करना।
 - वैक्सीन के विकास, उत्पादन और वतिरण की मज़बूत नगिरानी व्यवस्था सुनश्चि करना।
 - कषेत्रीय अनुसंधान और वनिर्माण केंद्रों पर ज़ोर देना।
 - वैक्सीन वतिरण, बौद्धिक संपदा और वस्तुओं के आदान-प्रदान तथा प्रसार की कमी जैसे मुद्दों पर सरकारी सहयोग के लिये पूरव-सहमत नयिम तैयार करना।
- उद्योग के लिये:
 - WHO द्वारा नरिधारति प्राथमिकता वाले रोगजनकों के लिये अनुसंधान प्रयासों पर ध्यान देना।
 - पारदर्शिता सुनश्चि करना।
 - प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को सुगम बनाना।
 - वशिष्ट इक्वटी-संचालति आवंटन उपायों के लिये प्रतबिद्ध होना।
- अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और भागीदारों के लिये:
 - प्रतरिक्षण रणनीति 2030 के लक्ष्यों को प्राथमिकता देना।
 - देशों द्वारा संचालति पहलों का समर्थन करना।
 - बाज़ार पारदर्शिता के संकल्पों को लागू करने के लिये दबाव बनाना।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

????????????

प्रश्न. कोवडि-19 वैश्विक महामारी को रोकने के लिये बनाई जा रही वैक्सीनों के प्रसंग में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि:

1. सीरम संस्थान ने mRNA प्लेटफॉर्म का प्रयोग कर कोवशील्ड नामक कोवडि-19 वैक्सीन नरिमिति की।
2. स्पुतनकि V वैक्सीन रोगवाहक (वेक्टर) आधारति प्लेटफॉर्म का प्रयोग कर बनाई गई है।
3. कोवैक्सीन एक नषिकृत रोगजनक आधारति वैक्सीन है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: B

व्याख्या:

- COVISHIELD वैक्सीन उस प्लेटफॉर्म पर आधारति है जो SARS-CoV-2 स्पाइक (S) ग्लाइकोप्रोटीन को एन्कोडगि करने वाले एक पुनःसंयोजक, प्रतकृत-रिहति चपैजी एडेनोवायरस वेक्टर का उपयोग करता है। इसे लगाए जाने के बाद, कोरोनावायरस के हसिसे की आनुवंशिक सामगरी प्रकट होती है जो एक प्रतरिक्षा प्रतरिक्रिया को उत्तेजति करती है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- स्पुतनकि V एक अच्छी तरह से अधययन कयि गए मानव एडेनोवायरस वेक्टर प्लेटफॉर्म पर आधारति वशि्व का पहला पंजीकृत टीका है। इसे 4 अरब लोगों की कुल आबादी वाले 71 देशों में उपयोग के लिये मंजूरी दी गई है। वैक्सीन का नाम पहले सोवयित अंतरकिष उपग्रह के नाम पर रखा गया है। 5 दसिंबर, 2020 और 31 मार्च, 2021 के बीच दोनों वैक्सीन घटकों के साथ टीके लगाए गए रूसयिों के बीच कोरोनावायरस की घटनाओं के

ऑकड़ों के वशिलेण के आधर पर वैकसीन की प्रभरवरकरति 97.6% है। अतः कथन 2 सही है।

- Covaxin एक नषिकरयि वरयरल टीकर है। इस वैकसीन को होल-वररियिन इनएकटविटेड वेरो सेल-व्युत्पन्न तकनीक से वकिसति कयि गय है। उनमें नषिकरयि वरयरस होते हैं, जो कसीी व्यकर्त को संकरमति नहीं कर सकते हैं, लेकनि फरि भी प्रतररिक्षा प्रणरली को सकरयि वरयरस के खलिफ एक रक्षा तंत्र तैरर करने में सकषम बनरर गे। अतः कथन 3 सही है।

अतः वकिलप B सही है।

????

प्रश्न. वैकसीन के वकिस के पीछे मूल सदिधरंत कय है? वैकसीन कैसे करम करती हैं? कोवडि-19 वैकसीन के उत्पदन के लयि भरतीय वैकसीन नरिमतारों दवरर कय दृषटकिण अपनर गे थे? (2022)

[सुरतः डरउन दू अरथ](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/global-vaccine-market-report-2022>

